क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 187, मंगलवार, 31 जुलाई, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिलीप घोष ने कहा

सरकार बनी तो बंगाल में भी होगी एनआरसी

कोलकत्ता।

असम में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर का दूसरा ड्राफ्ट आने पर अभी सियासत थमी भी नहीं है कि भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल में भी इसी तर्ज नागरिकों की पहचान कराने की बात कही है। बंगाल बीजेपी के अध्यक्ष दिलीप घोष ने कहा है कि अगर उनकी पार्टी की सरकार आती है असम की तरह ही बंगाल में भी राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर जारी किया जाएगा। असम में एनआरसी के सम्पूर्ण मसौदे को जारी करने के समर्थन में उन्होंने कहा कि कुछ नेता 'घड़ियाली आंसू' बहा रहे हैं क्योंकि उन्हें अपनी 'वोट बैंक' की राजनीति के खत्म होने का अंदेशा है। असम में बहुप्रतीक्षित राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) का अंतिम मसौदा सोमवार को जारी कर दिया गया। असम देश में एक मात्र ऐसा राज्य है जहां एनआरसी जारी किया गया है, जिसमें पूर्वोत्तर राज्य के कुल 3.29 करोड़ आवेदकों में से 2.89 करोड़ लोगों के नाम हैं। जबकि करीब 40 लाख लोग अवैध पाए गए हैं।

अवैध नागरिकों को भेजेंगे बांग्लादेश: दिलीप घोष ने कहा, 'अगर पश्चिम बंगाल में भाजपा सत्ता में आती है तो हमलोग राज्य में भी एनआरसी लागू करेंगे। हमलोग अवैध नागरिकों को बांग्लादेश वापस भेजेंगे।

असम में 40 लाख लोग अवैध नागरिक

असम इकलौता राज्य जहां नेशनल रजिस्टर बन रहा, रजिस्टर के विरोध में प्रदर्शन की आशंका, सात जिलों में धारा 144 लागू

राजनीतिक बवाल

● नागरिकता के लिए 3,29,91,380 लोगों ने आवेदन किया था, जिनमें से 2,89,38, 677 को नागरिकता के लिए योग्य पाया गया

नई दिल्ली।

असम में नैशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन का फाइनल ड्राफ्ट जारी होने के साथ ही राजनीतिक बवाल भी शुरू हो गया है। इस ड्राफ्ट में 40 लाख लोगों के नाम नहीं है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर इन लोगों का क्या होगा? 40 लाख लोगों के नाम रजिस्टर में क्यों नहीं है, इसके कारणों को सार्वजनिक नहीं किया गया है। हालांकि चार श्रेणियां जरूर बताई गई हैं, जिनसे जुड़े लोगों के नाम शामिल नहीं किए गए। वह है, डी (संदेहास्पद) वोटर्स, डी, वोटर्स के बच्चे व परिवार के लोग, जिनके मामले विदेशी न्यायाधिकरण में लंबित हैं और उनके बच्चे। हालांकि, यह फाइनल लिस्ट नहीं है बल्कि ड्राफ्ट है। जिन लोगों के नाम इसमें शामिल नहीं है, वे इसके लिए दावा कर सकते हैं। असम में तनाव है और संसद में मामला सोमवार को उठा तो केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह को सरकार की तरफ से पक्ष रखना पड़ा।

40 लाख लोगों का क्या होगा?: नागरिकता के लिए 3,29,91,380 लोगों ने आवेदन किया था, जिनमें से 2,89,38, 677 को नागरिकता के लिए योग्य पाया गया है। जिन 40 लाख लोगों का नाम लिस्ट से बाहर है उनके पास अभी भी क्लेम करने का दूसरा अवसर है।

एनआरसी कोऑर्डिनेटर ने कहा था कि इस लिस्ट के आधार पर किसी भी नागरिक को फिलहाल डिटेंशन सेंटर में नहीं भेजा जाएगा।

एनसीआर में नाम के लिए कैसे कर पाएंगे दावा: अब यह भी सवाल सामने आ रहा है कि अंतिम ड्राफ्ट आने के बाद जिनका नाम एनआरसी में नहीं आता है उनका भविष्य क्या होगा? एनआरसी लिस्ट को लेकर उलझन और संशय पर राजनाथ सिंह ने लोकसभा में कहा, 'इस मामले में पूरी पारदर्शिता बरती जाएगी। मैं विपक्ष से पूछना चाहता हूं कि इसमें केंद्र का क्या रोल है? यह सब कुछ सुप्रीम कोर्ट के निगरानी में चल रहा है। इस तरह के संवदेनशील मसले पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। जो ड्राफ्ट आया है, वह अंतिम नहीं है। इसके बाद भी दावा किया जा सकता है। जिन्हें लगता है कि उनका नाम इसमें होना चाहिए वह एनआरसी में दावा कर सकते हैं। इस दावे का निपटारा कितने दिन में होगा, इस बारे में सुप्रीम कोर्ट को तय करना है। अगर कोई इससे भी संतुष्ट नहीं होता है तो वह फॉरेनर्स ट्राइब्यूनल में अपील कर सकते हैं। कहीं न कहीं तो न्याय मिलेगा ही।

क्या है नैशनल रजिस्टर?

नए नैशनल सिटिजन रजिस्टर में असम में बसे सभी भारतीय नागरिकों के नाम, पते और फोटो हैं। यह पहला मौका है, जब सूबे में अवैध रूप से रहने वाले लोगों के बारे में जानकारी मिल सकेगी। देश में लागू नागरिकता कानून से थोड़ा अलग रूप में राज्य में असम अकॉर्ड, 1985 लागू है। इसके मुताबिक 24 मार्च, 1971 की आधी रात तक सूबे में प्रवेश करने वाले लोगों को भारतीय नागरिक माना जाएगा।

क्या 40 लाख लोग वोट डाल पाएंगे?

अभी यह साफ नहीं है कि जिन 40 लाख लोगों का नाम इस लिस्ट में नहीं है, वे क्या अगले आम चुनाव में वोट डाल पाएंगे? अधिकारियों का कहना है कि इस पर चुनाव आयोग अंतिम फैसला करेगा।

अगर आपका नाम लिस्ट में नहीं है तो ये करें

आपके पास क्लेम करने का एक और मौका है। आप 30 अगस्त से 28 सितंबर तक दावा कर सकते हैं। असम में मौजूद आवेदक हेल्पलाइन नंबर 15107 पर किसी भी समय कॉल कर सकते हैं। असम के बाहर के आवेदक 18003453762 नंबर पर कॉल कर जानकारी दे सकते हैं। रजिस्टर में उन्हीं लोगों के नाम शामिल किए जाएंगे, जो खुद को साबित कर पाएंगे कि उनका जन्म 21 मार्च, 1971 से पहले असम में हुआ था। आपके वंशज का नाम देश की पहली जनगणना में था? इस लिस्ट में उन लोगों को भी शामिल किया गया है जिनके वंशज देश की पहली जनगणना (1951) में शामिल थे या फिर जिनका नाम 24 मार्च, 1971 को असम की निर्वाचक नामावली में शामिल था।

बंगाली लोगों को भगा रही है बीजेपी सरकार: ममता

कोलकाता।

असम में रजिस्टर ऑफ सिटिजन (एनआरसी) का दूसरा और आखिरी ड्राफ्ट पेश कर दिया गया है। इसके तहत 2 करोड़ 89 लाख 83 हजार 677 लोगों को वैध नागरिक मान लिया गया है। इस तरह से करीब 40 लाख लोग अवैध पाए गए हैं। ड्राफ्ट के आते ही सियासत तेज हो गई है। टीएमसी ने जहां असम में एनआरसी ड्राफ्ट के मुद्दे पर लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया। वहीं टीएमसी प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि एनआरसी के नाम पर बंगाली लोगों को टारगेट किया जा रहा है। ममता बनर्जी ने असम एनआरसी पर कहा कि कई लोगों के पास आधार कार्ड और पासपोर्ट होने के बावजूद उनका नाम ड्राफ्ट में नहीं है। सही दस्तावेजों के बावजूद लोगों को ड्राफ्ट में शामिल नहीं किया गया। उन्हें सरनेम की वजह से बाहर किया गया है। क्या बीजेपी सरकार जबरदस्ती लोगों को बाहर निकालना चाहती है? केंद्र बंगाली लोगों को निशाना बना रही है और वोट बैंक की राजनीति कर रही है। ममता ने चिंता जताते हुए कहा कि 40 लाख लोग जिन्हें ड्राफ्ट से बाहर किया गया है, वो कहां जाएंगे?।

ई-कॉमर्स कंपनियों को भारत में रखना होगा डेटा

नई दिल्ली।

फ्लिपकार्ट जैसी ई कॉमर्स और सोशल मीडिया कंपनियों को अपने यूजर्स के डेटा को भारत में ही रखना पड़ सकता है। ई-कॉमर्स के लिए राष्ट्रीय नीति के मसौदे में यह कहा गया है। सरकार कंपनी कानून में भी संशोधन पर विचार कर सकती है ताकि ई-कॉमर्स कंपनियों में संस्थापकों की हिस्सेदारी घटने के बावजूद उनका नियंत्रण बना रह सके। मसौदा नीति के मुताबिक जिन आंकड़ों को भारत में ही रखने की आवश्यकता होगी।

एसबीआई ने खास अवधि की एफडी पर बढ़ाईं ब्याज दरें

नई दिल्ली।

देश के सबसे बड़े बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने सोमवार को कुछ खास अवधि की सावधि जमा (फिक्स्ड डिपॉजिट) पर ब्याज दरों में वृद्धि का ऐलान किया है। ब्याज दरें 5 से 10 बेसिस पॉइंट्स यानी 0.05% से 0.1% तक बढ़ाई गई हैं। नई दरें सोमवार, 30 जुलाई से ही लागू हो चुकी हैं। एसबीआई ने अपनी वेबसाइट पर कहा है कि वह 1 से 2 साल की एफडी पर अब 6.70% की दर से ब्याज देगा जो से पहले 6.65% था। वहीं, 2 से 3 वर्ष की एफडी पर ब्याज दर 6.65% से बढ़ाकर 6.75% कर दी गई है।

मेहुल चोकसी को एंटिगा में ही घेरने की तैयारी

नई दिल्ली।

भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी के मुद्दे पर भारत के उच्चायुक्त ने एंटिगा और बारबुडा के संबंधित सरकारी अधिकारियों से मुलाकात की। सूत्रों के मुताबिक,

उच्चायुक्त ने एंटिगा और बारबुडा के अधिकारियों को लिखित और मौखिक तौर पर वहां चोकसी की मौजूदगी की पुष्टि करने, उसे हिरासत में लेने और जल, थल अथवा वायु, किसी भी मार्ग से उसकी आवाजाही पर पाबंदी लगाने को कहा। भारत में सरकारी सूत्रों ने बताया कि हमारे उच्चायुक्त एंटिगा और बारबुडा सरकार के उपयुक्त अधिकारियों से मिल रहे हैं। हम भारत एवं एंटिगा-बारबुडा की सरकारों की उपयुक्त एजेंसियों के साथ तालमेल बिठाने की कोशिश में जुटे हैं और हमने मामले पर लगातार नजर बना रखी है। मेहुल चोकसी पंजाब नैशनल बैंक फ्रॉड केस में संलिप्त रहा है।

'एनसीसी शिक्षकों की होगी तैनाती'

भावना

● मुख्यमंत्री ने नशीली दवाओं के दुरूपयोग को रोकने के लिए एनसीसी के सहयोग का किया आह्वान

शिमला।

एनसीसी राष्ट्र के युवाओं में चरित्र, अनुशासन, नेतृत्व, साहस की भावना तथा निःस्वार्थ सेवा के आदर्शों को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने यह अतिरिक्त महानिदेशक एनसीसी मुख्यालय, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चण्डीगढ़ के अतिरिक्त महानिदेशक मेजर जनरल आर.एस. मान (वीएसएम), (जिन्होंने यहां मुख्यमंत्री से मुलाकात की) से मुलाकात के दौरान कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रसन्नता का विषय है कि एनसीसी के कैडेटों ने समाज की निःस्वार्थ सेवा और स्वयं सहायता के महत्व को समझते हुए पर्यावरण की रक्षा करने और समाज के पिछड़े और कमजोर वर्गों का उत्थान करने के उद्देश्य से सामुदायिक विकास गतिविधियों को अपनाया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में राज्य में 23 हजार से अधिक एनसीसी कैडेट अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। जय राम ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश में एनसीसी की गतिविधियों के विस्तार व सुदृढ़ करने पर विशेष बल दे रहे हैं। वर्तमान में देश में 16 लाख एनसीसी कैडेट हैं तथा उनकी संख्या को 19 लाख करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

'महिलाओं का जीवन सिर्फ शादी के लिए नहीं'

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने दाऊदी बोहरा मुस्लिम समुदाय में प्रचलित नाबालिग लड़कियों का खतना किए जाने की प्रथा पर सवाल उठाए हैं। सोमवार को खतने के विरोध में दाखिल याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि महिलाओं का खतना सिर्फ इसलिए नहीं किया जा सकता कि उन्हें शादी करनी है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि महिलाओं का जीवन केवल शादी और पति के लिए नहीं होता। सुप्रीम कोर्ट से महिलाओं का खतना किए जाने की प्रथा पर भारत में पूरी तरह से बैन लगाने की मांग की गई है। सोमवार को कोर्ट ने कहा कि शादी के अलावा भी महिलाओं का दायित्व है। इस तरह की प्रथा महिलाओं की निजता के अधिकार का उल्लंघन है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह लैंगिक संवेदनशीलता का मामला है और स्वास्थ्य ने लिए खतरनाक भी हो सकता है।

फाईल फोटो

उठे सवाल

● महिलाओं का खतना सिर्फ इसलिए नहीं किया जा सकता कि उन्हें शादी करनी है: सुप्रीम कोर्ट

अस्पताल ने जारी किया था मेडिकल बुलेटिन

रविवार की रात अस्पताल की ओर से रात दस बजे जारी मेडिकल बुलेटिन में करुणानिधि की तबीयत में सुधार के संकेत दिए गए हैं। हालांकि, इस बीच तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ई पलानीस्वामी ने कोयंबटूर में सोमवार को होने वाली बैठक को रद्द कर दिया था और वह चेन्नई के लिए लौट गए। वहीं पुलिस द्वारा की गई अपील के बावजूद समर्थक अस्पताल के बाहर डटे रहे। अव्यवस्था फैलती देख पुलिस को डीएमके समर्थकों पर लाठीचार्ज भी करना पड़ा।

जर्जर दीवार गिरी एक बच्चे की मौत, बहन घायल

नई दिल्ली। थाना सागरपुर इलाके में एक मकान की दीवार गिर गई। जिसकी चपेट में आकर दीवार के पास खेल रहे भाई-बहन गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना रविवार करीब साढ़े ग्यारह बजे की है, जिसका पता चलने के बाद बच्चो के परिजनों ने अन्य लोगों के सहयोग से दोनों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने लड़के को मृत घोषित कर दिया। जबकि उसकी बहन का गंभीर अवस्था में इलाज किया जा रहा है। मृत बच्चे की पहचान 12 वर्षीय रोहित के रूप में हुई है। घायल बच्ची की पहचान 10 वर्षीय रीटा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार मजदूरी करने वाले चन्द्रशेखर (38) परिवार के साथ सागरपुर इलाके में किराए के मकान में रहते हैं। करीब साढ़े ग्यारह बजे चन्द्रशेखर का बेटा रोहित व बेटी रीटा घर के बाहर खेल रहे थे। तभी अचानक से रोहित ने पास की दीवार को जैसे ही हाथ लगाया, पूरी की पूरी दीवार गिर पड़ी।

10 साल का मेगा प्लान, भारत में ही बनेंगे फाइटर प्लेन

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्र सरकार अगले महीने एक प्रमुख नीति सार्वजनिक कर बड़ा रक्षा उत्पादन उद्योग बनाने और भारत को अगले 10 साल में सैन्य उपकरणों के शीर्ष पांच निर्माताओं में शामिल करने का खाका पेश करेगी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि नीति को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसके बाद इसे मंजूरी के लिए केंद्रीय कैबिनेट के समक्ष पेश किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि रक्षा उत्पादन नीति (डीपीपी-2018) का प्रमुख जोर लड़ाकू विमानों, लड़ाकू हेलीकॉप्टरों और स्वदेशी हथियारों सहित अत्याधुनिक सैन्य प्लैटफॉर्मों के निर्माण के लिए प्रौद्योगिकी विकसित करने की खातिर पर्याप्त संसाधनों में निवेश पर होगा। सूत्रों ने बताया कि डीपीपी-2018 अगले महीने जारी किए जाने की संभावना है। नीति के मसौदे के मुताबिक, सरकार वर्ष 2025 तक सैन्य वस्तुओं एवं सेवाओं में 1,70,000 करोड़ रुपये के कारोबार को हासिल करने के बारे में सोच रही है। स्वीडन के एक थिंक टैंक ने मार्च में अपनी रिपोर्ट में कहा था कि पिछले पांच साल में भारत दुनिया में सैन्य हार्डवेयर का सबसे बड़ा आयातक रहा है। वर्ष 2004-08 की तुलना में भारत द्वारा पिछले पांच साल में प्रमुख हथियारों के आयात में 111 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

बुलेट ट्रेन में महिला-पुरुष के लिए होंगे अलग शौचालय, बेबी चेंजिंग रूम की भी होगी सुविधा

नई दिल्ली। आगामी मुंबई-अहमदाबाद उच्च-गति रेल गलियारा परियोजना के लिए जमीन के अधिग्रहण में देरी से इसके लांच की तारीख को आगे खिसकाना पड़ सकता है, लेकिन रेलवे बुलेट ट्रेन के विभिन्न कल-पुरजों और यात्रियों की सुविधाओं को अंतिम रूप देने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। बुलेट ट्रेन में यात्रियों को बाल पोषण के लिए अलग से कमरा मुहैया कराया जाएगा। बीमार लोगों के लिए सुविधा प्रदान की जाएगी और पुरुषों व महिलाओं के लिए अलग-अलग शौचालय बनाए जाएंगे। भारतीय रेलवे में ये सुविधाएं पहली बार प्रदान की जाएंगी। सभी ट्रेनों में 55 सीटें बिजनेस क्लास और 695 सीटें स्टैंडर्ड क्लास के लिए आरक्षित होंगी। ट्रेन में यात्रियों को सामान रखने के लिए जगह दी जाएगी। ई5 शिंकनसेन सिरीज बुलेट ट्रेन में बेबी चेंजिंग रूम की भी सुविधा दी जाएगी, जिसमें बेबी टॉयलेट सीट, डायपर डिस्पोजल और बच्चों के हाथ धोने के लिए कम ऊंचाई के सिंक लगे होंगे। व्हीलचेयर वाले यात्रियों के लिए अतिरिक्त जगह वाले टॉयलेट की सुविधा दी जाएगी। रेलवे द्वारा बुलेट ट्रेन के लिए तैयार अंतिम रूपरेखा के अनुसार, । 50 सीटों वाले ई5 शिंकनसेन एक नए जमाने का हाई स्पीड ट्रेन है। इसमें वाल माउंटेड टाईप यूरिनल की सुविधा प्रदान की जाएगी। डिब्बों में आरामदायक स्वचालित घूमने वाली सीट प्रणाली होगी। ट्रेन में फ्रीजर, हॉट केस, पानी उबालने की सुविधा, चाय और कॉफी बनाने की मशीन और बिजनेस क्लास में हैंड टॉवल वार्मर की सुविधा प्रदान की जाएगी। डिब्बों में एलसीडी स्क्रीन लगी होगी, जहां मौजूदा स्टेशन, आने वाले स्टेशन, गंतव्य और अगले स्टेशन पहुंचने और गंतव्य पहुंचने के समय के बारे में जानकारी आती रहेगी।

मराठा आंदोलन हुआ हिंसक, शिवसेना ने देवेंद्र फड़नवीस से कहा विशेष सत्र बुलाएं

नई दिल्ली (एजेंसी) । महाराष्ट्र के पुणे जिले मराठा आरक्षण आंदोलन हिंसक हो गया है। प्रदर्शनकारियों ने कई गाड़ियों को आगे के हवाले कर दिया है और रास्तों पर चक्का जाम कर दिया है। हंगामा बढ़ते देख शहर में धारा 144 लागू कर दी गई है। दरअसल, मराठा आरक्षण आंदोलन के तहत पुणे के नजदीक चाकण में विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया गया था। इस प्रदर्शन के बाद ही चाकण में आंदोलन अचानक हिंसक हो गया। प्रदर्शनकारियों ने रोड जाम कर दिए और तोड़फोड़ शूरू कर दी। पुलिस ने उपद्रवियों पर काबू पाने की पूरी कोशिश की लेकिन हालात बेकाबू होते देख उन्हें आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। बताया जा रहा है कि प्रदर्शनकारियों ने पुलिस को गाड़ियों को भी निशाना बनाया है। आंदोलन के बीच महाराष्ट्र कांग्रेस ने अपने वरिष्ठ नेताओं और विधायकों की बैठक के बाद राज्यपाल विद्यासागर राव को ज्ञापन सौंपा और कहा कि वह मराठा आरक्षण मामले में हस्तक्षेप करें। कांग्रेस ने मराठा समुदाय को 16 फीसदी आरक्षण देने की मांग की।

आरक्षण की मांग को लेकर व्यक्ति ने की आत्महत्या

मराठा आरक्षण की मांग को लेकर यहां 35 साल के एक व्यक्ति ने चलती ट्रेन के सामने छलांग लगाकर कथित रुप से आत्महत्या कर ली। मुकुंदवाड़ी थाने के वरिष्ठ निरीक्षक नाथा जाधव ने बताया कि प्रमोद जयसिंह होरे ने रविवार को फेसबुक और व्हाट्सऐप पर लिखा था कि वह आरक्षण की मांग के समर्थन में अपनी जान दे देगा। उसने रविवार रात यहां मुकुंदवाड़ी क्षेत्र में चलती ट्रेन के सामने कथित रुप से छलांग लगा दी। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार, जयसिंह ने फेसबुक पर लिखा था, ''आज एक मराठा छोड़कर जा रहा है.....लेकिन मराठा आरक्षण के लिए कुछ कीजिए'' महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग की परीक्षा की तैयारी में जुटे जयसिंह ने एक अन्य संदेश में लिखा था, ''मराठा आरक्षण एक जान लेगा। उसके कई दोस्तों ने उससे ऐसा नहीं करने का अनुरोध किया।

शिवसेना ने फड़नवीस से कहा विशेष सत्र बुलाएं

महाराष्ट्र में मराठा आंदोलन हिंसक देख शिवसेना ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस से तुरंत विशेष सत्र बुलाने के लिए कहा है।

काल सब प्राणियों के सिर पर है, इसलिए पहले कुशलक्षेम पूछना चाहिए -कालिदास

सामाजिक सुरक्षा विधेयक

सरकार द्वारा सबको मुफ्त चिकित्सा, पेंशन और बेरोजगारी भत्ता दिलाने वाले सामाजिक सुरक्षा विधेयक को संसद के इसी सत्र में पारित कराने की कोशिश आकर्षित करती है। सरकार विपक्षी दलों को मनाने के लिए प्रयासरत है कि इस विधेयक को समर्थन दे दें। विधेयक का जो प्रारूप सामने आया है, उसके अनुसार इसके तहत देश के प्रत्येक नागरिक चाहे वो अमीर हों या गरीब सभी का निबंधन किया जाएगा। इसमें कई अन्य योजनाओं की तरह उम्र का भी कोई बंधन नहीं होगा। इसमें यदि निबंधित व्यक्ति की नौकरी छूट गई तो उसे बेरोजगारी भत्ता भी दिया जाएगा। प्रश्न है कि इसके लिए धन कहां से आएगा? इसके उत्तर में कहा गया है कि धन की व्यवस्था केंद्र सरकार, राज्य सरकार और निजी क्षेत्र के जरिए की जाएगी। पता नहीं इसमें कितनी सफलता मिलेगी, क्योंकि अभी तक ऐसे व्यापक सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था के किसी ढांचे का देश को अनुभव है ही नहीं। किंतु इसका विरोध भी हो रहा है। विरोधी दलों को लगता है कि सरकार 2019 चुनाव में इसका राजनीतिक लाभ उठा लेगी। इसलिए वो इस पर कई प्रश्न उठा रहे हैं। इसी तरह सरकार ने इस पर एकराय बनाने के लिए श्रमिक संगठनों की बैठक बुलाई थी, जिसमें कई संगठनों ने भाग ही नहीं लिया। ये भी कई प्रश्न उठा रहे हैं। मसलन, सभी व्यक्तियों को सामाजिक सुरक्षा देने के लिए धन कहां से आएगा? दूसरे, नये कानून आने के साथ 15 पुराने कानून समाप्त हो जाएंगे और कार्य करते समय चोट और मृत्यु होने पर मुआवजा नहीं मिलेगा। भविष्य निधि और ईएसआई जैसी सुविधाएं समाप्त हो जाएंगी। हालांकि अगर ऐसी कोई व्यापक सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था हो जाए तो बहुत सारी व्यवस्थाओं की आवश्यकता नहीं रह जाएगी और वो सब इनमें समाहित हो जाएंगे। हमारा मानना है कि इस पर राजनीतिक नजरिए से हटकर विचार किया जाना चाहिए। ऐसा सामाजिक सुरक्षा ढांचा, जिससे कोई नागरिक बाहर रहे ही नहीं, बड़ा संकल्प है। इसमें समस्याएं होंगी। बावजूद इसके इसे कानून का रूप दिलाने में देश को एक होना चाहिए। धनपतियों का निबंधन अवश्य होगा लेकिन वे अपना खर्च स्वयं वहन करेंगे। इसी तरह जो नौकरी करते होंगे उनका खर्च नियोक्ता वहन करेगा। हां, जो गरीबों का खर्च केंद्र और राज्य सरकार वहन करेगी। भविष्य निधि तथा ईएसआई खत्म करने की बात इसमें नहीं है। कोई सरकार पूरा विकल्प दिए बगैर इसे खत्म नहीं कर सकती।

अलगाववादी रवैय

पार्टी (पीडीपी) पुराने एजेंडे पर लौटती दिख रही है। एक तरफ पार्टी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती अलगाववादी राज आलाप रही है तो वहीं उनकी पार्टी का सांसद देश बंटवारे की धमकी दे रहा है। दल के 19वें स्थापना दिवस के मौके पर महबूबा ने अनुच्छेद 35-ए को बचाने की अपील राज्य के सभी दलों के अलावा अलगाववादी गुटों से की है। महबूबा ने कहा कि अनुच्छेद 35-ए राज्य के लिए एक गंभीर चुनौती है। इसे बचाने के लिए मुख्यधारा के सभी राजनीतिक दल और अलगाववादी मतभेद भुलाकर साथ आएं। साफ तौर पर महबूबा अब सत्ता का सुख भोगने के बाद एक बार फिर से जहर उगलने के खेल में लग गई हैं। अनुच्छेद 35-ए को बचाने के वास्ते देश विभाजक गुटों को भी एक प्लेटफार्म पर आने की गुहार लगाना यही परिलक्षित करता है कि कश्मीर का मसला केंद्र सरकार के लिए सुलझाना उतना आसान नहीं है, जितना दावा सरकार और सेना करती रही है। खासकर जब किसी राज्य की मुख्यमंत्री और उनका दल अलगाववादी रवैये के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हो। यह देश के लिए शुभ संकेत नहीं हैं। इससे पहले भी देश की अखंडता पर जम्मू-कश्मीर के नेता और सियासी दल हमला करते रहे हैं। बात यहीं तक रहे तो भी गनीमत है। पीडीपी के 19वें स्थापना दिवस समारोह में जहर भरी बातें उनके एक सांसद ने भी की। मुजफ्फर हुसैन बेग ने गोरक्षा के नाम पर देश के बंटवारे की धमकी तक दे डाली।

देश की गंगा-जमुनी तहजीब की अनदेखा करते हुए बेग ने केंद्र सरकार को धमकाते हुए कहा कि अगर गोरक्षा के नाम पर मुसलमानों को मारना बंद नहीं हुआ तो देश का बंटवारा तय है। क्या ऐसे बयान देने वालों और देश की एकता पर हमला करने वालों के साथ किसी तरह की मुरव्वत की जानी चाहिए? दरअसल, सारा खेल सत्ता की मलाई खाने का है। हमेशा से पत्थरबाजों, देशविरोधी ताकतों के साथ गलबहियां करने वालों को देश की संप्रभुता रास नहीं आई है। सरकार को ऐसी धमकियों को हल्के में नहीं लेना होगा। कोशिश होनी चाहिए कि आतंकवाद पर मुलायम रुख अपनाने और राज्य व देश में अमन बहाली की राह में रोड़ा अटकाने वालों पर सख्ती हो। ऐसे लोग न केवल देश बल्कि कश्मीरियत, जम्हूरियत और इंसानियत के लिए बड़ा खतरा हैं।

सत्संग

अहिंसा व्रत का पालन

पशु-पक्षी तुल्य मात्रा अपने तक ही सीमित न रहे अपितु दूसरों के भी काम आए, किसी का दुख-दर्द समझे। किसी भी प्रकार से किसी को दुख या कष्ट न पहुंचाए। जो सुखाभिमानी दूसरों को दुख में देखकर प्रसन्न होता है, उसे एक दिन स्वयं भी दुखी होना पड़ता है। प्रभु प्रेम में आंसू बरसाने वाले को दुख के आंसू नहीं बरसाने पड़ते। जीवों पर करुणा व दया बरसाएं! पूर्ण रूपेण अहिंसा व्रत का पालन करें। बहिर्मुखता त्यागकर अंतर्मुख होंगे तो भक्तिपथ पर आगे बढ़ते हुए परमात्मा का साक्षात्कार कर सकेंगे। अभ्यास के द्वारा मन की चंचलता को रोकें। मन, परमात्मा की अमानत है। इसे परमात्मा में ही लगाएं। इसे विषय भोग, संसार, सांसारिकता, भोग-विलासों में लगाने पर अंततः दुखी होना पड़ेगा। छोटी-छोटी बातों से अपने प्रेम, एकता व सद्भाव को समाप्त न करें। श्रद्धा व विास से ही अंत:करण में स्थित ईर को देख सकते हैं। हनुमान की भांति मान का हनन करके भक्तिपथ की ओर अग्रसर हों। अभिमान प्रभु-प्राप्ति में प्रमुख बाधक है। अभिमान चाहे रूप, धन, वैभव, तप, ज्ञान इत्यादि किसी प्रकार का क्यों न हो-ठीक नहीं होता है। मानव के जीवन पर संगति का प्रभाव अवश्य पड़ता है, इसलिए अच्छा देखो, अच्छा सुनो, अच्छा बोलो, अच्छा विचारो, अच्छा संग करो। खान-पान व जीवन को सात्विक शुद्ध और संयमित बनाओ। खान-पान का मन पर सर्वाधिक प्रभाव पड़ता है। प्रकृति के नियमों का पालन करो। शांति को जीवन में प्रमुखता से स्थान दो। अशांत व्यक्ति को कहीं भी सुख नहीं मिलता। सत्य परमात्मा का स्वरूप है। सत्य जहां भी जुड़ेगा, वहां विकृति नहीं आएगी। जिस सत्यपुरुष, सत्वचन, सद्व्यवहार, सद्आचरण, सद्भाव इत्यादि का संग मिले, उसका जीवन धन्य है। जिसके जीवन में करुणा, क्षमा, उदारता, कोमलता, सेवा, परोपकार, परमार्थ है, वहीं संत है। संत वेशभूषा या बाहरी दिखावे से नहीं, संतता से है। परमात्मा अप्राप्त नहीं, नित्य प्राप्त हैं। मात्रा प्राप्ति की स्मृति व जागृति के लिए निरंतर सत्संग के प्रकाश में जीना है। जीना भी एक कला है। जीना उसी का है, जिसका जीवन उत्थान की ओर है। गिरना व गिराना बहुत सरल है परंतु उठना व उठाना उतना सरल नहीं है, किसी सहारे की आवश्यकता पड़ती है। स्वयं जागो व औरों को जगाओ, अपने कल्याण के साथ औरों के कल्याण के भी भागीदार बनो। उठो! जागो!

''सेटलमेंट बिल'

कानून के क्रियान्वयवन में आने से इस्राइल में रह रहे अन्य धर्म के लाखों निवासियों के साथ बड़े स्तर पर धार्मिक भेदभाव की आशंका चिंता का मूल कारण है। 120 सदस्यीय संसद में ''यहूदी राष्ट्र बिल' पर हुए मतदान में शामिल 62 सांसदों में 55 सांसदों की सहमति के बाद पारित इस कानून को इस्राइल और इसके प्रधानमंत्री बेंजामीन नेतनयाहू द्वारा ऐतिहासिक निर्णय व यादगार क्षण बताया जा रहा है तो वहीं दूसरा पक्ष इसे लोकतंत्र की हत्या का प्रयास करार दे रहा है। इस्राइली भूमि को यहूदी राष्ट्र की घोषणा के साथ ही ''हिब्रू' को देश की राष्ट्रीय भाषा और अरबी, जिसे अधिकारिक भाषा का दरजा प्राप्त था, इसका अस्तित्व महज एक विशेष भाषा तक सीमित कर दिया गया है।

सतीश पेडणोकर

सप्ताह इस्राइली संसद ''नेसेट'' द्वारा इजरायल को अधिकारिक रूप से यहूदियों का देश घोषित करने के लिए ''ज्यूज नेशन बिल' नामक कानून पारित किए जाने से एक नया विवाद उत्पन्न हो गया है। कानून के पारित होते ही अरबी सांसद समेत विश्व के कई मुल्कों द्वारा इसका निरंतर विरोध जारी है। कानून के क्रियान्वयवन में आने से इस्राइल में रह रहे अन्य धर्म के लाखों निवासियों के साथ बड़े स्तर पर धार्मिक भेदभाव की आशंका चिंता का मूल कारण है। 120 सदस्यीय संसद में ''यहूदी राष्ट्र बिल' पर हुए मतदान में शामिल 62 सांसदों में 55 सांसदों की सहमति के बाद पारित इस कानून को इस्राइल और इसके प्रधानमंत्री बेंजामीन नेतनयाहू द्वारा ऐतिहासिक निर्णय व यादगार क्षण बताया जा रहा है तो वहीं दूसरा पक्ष इसे लोकतंत्र की हत्या का प्रयास करार दे रहा है। इस्राइली भूमि को यहूदी राष्ट्र की घोषणा के साथ ही ''हिब्रू' को देश की राष्ट्रीय भाषा और अरबी, जिसे अधिकारिक भाषा का दरजा प्राप्त था, इसका अस्तित्व महज एक विशेष भाषा तक सीमित कर दिया गया है। नये कानून के तहत इस्राइल को यहूदियों की ऐतिहासिक मातृभूमि परिभाषित की गई है, जो सिर्फ यहूदियों को अपना फैसला स्वंय लेने का अधिकार प्रदान करता है।

कानून में यहूदी अस्तित्व के सिद्धांतों की स्थापना के साथ यहां रह रहे अन्य धर्म और उनकी पहचान को अधिकारिक रूप से नष्ट करने का प्रयास स्पष्ट है, जिससे असमानता, नस्लभेदी नीतियों और धार्मिक भेदभाव को भरपूर बढ़ावा मिलने की संभावना बनती है। नस्लीय भेदभाव और दोयम दरजे का व्यवहार अरबी नागरिकों की पुरानी शिकायत रही है। नेतनयाहू सरकार के इस फैसले से न केवल अन्य समुदाय के नागरिकों के साथ भेदभाव किया गया है बल्कि यह कानून, 1948 में इस्राइल की आजादी के समय घोषित सिद्धांतों का संवैधानिक वध भी है। घोषित सिद्धांतों के तहत ''राष्ट्र अपने भू-भाग पर निवास कर रहे सभी नागरिकों का, चाहे वह किसी जाति, धर्म, सम्प्रदाय, मूल या लिंग का हो, के समान राजनीतिक-सामाजिक अधिकारों की रक्षा को प्रतिबद्ध है।' अफसोस है कि वर्तमान सरकार अपनी 20 फीसद आबादी के सामाजिक-राजनीतिक अधिकारों को तिलांजली देकर एक धर्म एजेंडे को निरंतर तूल देने में लगी हुई है।

इस्राइल के इस आक्रामक नीति में अविभाजित यरूशलम को अपनी राजधानी बताना, सिर्फ यहूदियों को अपना फैसला स्वंय लेने का अधिकार प्रदान करना आदि नीतियों में निश्चित तौर पर विस्तारवाद के संकेत मिलते हैं। सच है कि इजरायल में दक्षिणपंथी बेंजामीन नेतनयाहू के सत्ता में आने के बाद गैर वाजिब फैसलों ने खासकर अरबी समुदाय और अरब के मुल्कों को परेशान किया है। तथाकथित राष्ट्रवाद के तमगे के साथ नेतनयाहू एक वर्ग विशेष को दरकिनार कर बहुसंख्यक राजनीतिक लाभ की लालच में दिनानुदिन असंवैधानिक फैसले लेते रहे हैं। बड़ा सच यह भी है कि इन प्रकरणों में इस्राइल को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भी बखूबी साथ मिलता रहा है। दिसम्बर 2017 में अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा इस्राइल स्थित अमेरिकी दूतावास का तेल-अवीव से यरूशलम स्थानांतरित किए जाने की घोषणा का पूरे विश्व द्वारा कड़ा विरोध किया गया था। संयुक्त राष्ट्र समेत नियंतण्र असहमति के बावजूद अमेरिका द्वारा यरूशलम को इस्राइली राजधानी की मान्यता प्रदान करना चुनौती व जोखिमपूर्ण कदम रहा। फिलीस्तीनी भू-भाग पर इस्राइली अधिकार थोपने वाला यह कदम दशकों पुरानी इस्राइल-फिलीस्तीन विवाद की शांति बहाली प्रक्रिया पर बड़ा प्रहार जैसा रहा। ब्रिटेन, चीन, फ्रांस, रूस व जर्मनी समेत अरब मुल्कों द्वारा इस निर्णय की कड़ी निंदा जरूर हुई, लेकिन असर कागजों तक ही सीमित रह गया। इस स्थिति में तय स्पष्ट हैं कि इस्राइली अतिवाद में अमेरिकी सहयोग का बड़ा योगदान रहा है। ऐतिहासिक रूप से भी देखा जाए तो अमेरिका शुरू से ही इस्राइल को सैन्य सुविधाएं देता रहा है। 1948 में भी अमेरिकी राष्ट्रपति हैरी टूमैन दुनिया के पहले नेता थे, जिन्होंने इस्राइल को मान्यता प्रदान किया था। ऐतिहासिक यरूशलम विवाद की गंभीरता के मद्देनजर बिल क्लिंटन, जॉर्ज बुश व ओबामा आदि अमेरिकी राष्ट्रपतियों द्वारा यरूशलम पर यथास्थिति बरकरार रखी गई थी, मगर अपने चुनावी वायदों और ''यहूदी प्रेम' के कारण ट्रंप इस्राइल तुष्टीकरण को प्रतिबद्ध रहे। उनके मंत्रीमंडल में यहूदीवादियों की महत्त्वपूर्ण भूमिका भी खबरों में रही हैं। बतौर उम्मीदवार उनका चुनाव पूर्व वादा कि सत्ता में आते ही यरूशलम को बतौर इस्राइली राजधानी की मान्यता और इस्राइल समर्थन की भूमिका दोनों ही सत्य साबित हुए।मौजूदा हालात में प्रासांगिक यह है कि फिलीस्तीनी-इस्राइल विवाद के केंद्र यरूशलम के मुद्दों पर एक तरफा, पक्षपातपूर्ण व सुनियोजित अमेरिकी हस्तक्षेप से नियंतण्र चिंताएं बढ़ गई हैं। इस दौरान कई अवसरों पर सर्वोच्च अंतरराष्ट्रीय संगठन के निर्देशों को दरकिनार कर मनमाना फैसले लिये गए हैं। संयुक्त राष्ट्र द्वारा फिलीस्तीनी जमीं पर उपनिवेशन को लेकर पारित प्रस्ताव का इस्राइली नेतृत्व द्वारा ठुकराया जाना, अमेरिका द्वारा यरूशलम को बतौर राजधानी की मान्यता देना, दूतावास स्थानांतरण में तेजी के बाद अब यहूदी राष्ट्र की घोषणा आदि क्रमगत विवाद के मसले बने रहे। यह जानते हुए कि यरूशलम धार्मिक संवेदनाओं का बड़ा केंद्र है, अमेरिकी निर्णय ने अरब मुल्कों को नाराज करने का काम किया है। सात माह पूर्व इस्राइली प्रधानमंत्री द्वारा युद्ध संबंधी निर्णय से जुड़े सभी अधिकारों के लिए स्वंय मात्र को अधिकृत करने जैसी पहल भी सुर्खियों में थीं। इस नये कानून से पहले युद्ध संबंधी निर्णय के अधिकारों के प्रयोग के लिए संसद की संस्तुति आवश्यक होती थी। पिछले वर्ष इस्राइली संसद द्वारा फिलीस्तीनी जमीं पर इस्राइल द्वारा बसाई गई अवैध बस्तियों को मान्यता प्रदान करने के लिए अनुमोदित नया ''सेटलमेंट बिल' भी ज्यूज नेशन स्टेट की ही एक तैयारी थी। ऐसे निर्णयों से स्पष्ट है कि यहूदी राष्ट्र की दिशा में इस्राइल के प्रत्येक मंसूबे में अमेरिका की सहमति और बढ़-चढ़कर साथ मिलता रहा जिससे ''एक राष्ट्र' मसले पर इस्राइल को धरातल तैयार करने का शह मिला। मौजूदा परिदृश्य में नियंतण्र हस्तक्षेप भी गौण नजर आ रहे हैं। फिलीस्तीनी एकजुटता दिन-प्रतिदिन कमजोर होती जा रही है। अब संयुक्त राष्ट्र के मजबूत निष्पक्ष दखल ही शांति बहाली की एकमात्र उम्मीद है।

चलते चलते

वारंट को ''तामील किया गया'

भारतीयों को लेकर इनके स्थानीय परिवेश के लोगों में गजब की चमक होती है। यही चमक उन्हें उनसे वैवाहिक संबंध जोड़ने के लिए भी आकर्षित करती है। मगर हाल के सालों में यह चमक तकलीफ देह यादगारी में बदल गई है।

अप्रवासी दूल्हों यानी एनआरआई दूल्हों पर यह कहावत बिल्कुल सटीक बैठती है। बेहतर विकल्पों की तलाश में दुनिया के अन्य देशों में बसे इन भारतीयों को लेकर इनके स्थानीय परिवेश के लोगों में गजब की चमक होती है। यही चमक उन्हें उनसे वैवाहिक संबंध जोड़ने के लिए भी आकर्षित करती है। मगर हाल के सालों में यह चमक तकलीफ देह यादगारी में बदल गई है। एनआरआई पतियों द्वारा धोखेबाजी और पत्नी के साथ हिंसा की खबरें विशेषकर पंजाब जैसे राज्यों में रोज की बात हो गई है। इसकी झलक 2015 से अब तक विदेशों में स्थित भारतीय मिशन के पास भारतीय महिलाओं के अपने एनआरआई पति से जुड़े विवादों की 3,328 दर्ज शिकायतों में मिलती है। अकेले पंजाब में करीब 15,000 लड़कियां धोखेबाज पति की शिकार हुई। अधिकारिक आंकड़ों को ध्यान में रखते हुए इस बात को भी संज्ञान में रखने की जरूरत है कि भारतीय समाज विवाह को निजी मसला मानता है। इसलिए वैवाहिक विवाद परिवार-समाज की चौहद्दी में ही रहते हैं। जाहिर तौर पर ये आंकड़े ज्यादा ही होंगे। अब सरकार इन धोखेबाज दूल्हों पर वैंकि कसने के लिए प्रभावी कानूनी तरीके अपनाने जा रही है। इसके तहत उनकी सम्पति को जब्त करने से लेकर उन्हें वांछित अपराधी घोषित किया जाएगा। शीतकालीन सत्र में आ रहे कानून में शादियों का पंजीकरण एक सप्ताह के भीतर अनिवार्य होगा। सबसे अहम कदम है पोर्टल का निर्माण, जिस पर एनआरआई दूल्हे से संबंधित सभी विवरण अपलोड करना जरूरी होगा। शिकायत को पोर्टल पर अपलोड के साथ ही समन और वारंट को ''तामील किया गया' मानते हुए स्वीकार किया जाएगा। इसके लिए सरकार सीआरपीसी, विवाह पंजीकरण अधिनियम और पासपोर्ट नियमों में संशोधन करना होगा। साथ में विदेश, कानून, गृह और महिला और बाल विकास मंत्रालय के अधिकारियों की एक इंटीग्रेटेड नोडल एजेंसी (आईएनए) बनाई जाएगी। यह सिंगल विंडो सिस्टम के तहत काम करेगी। सरकार की पहल तो सराहनीय है, मगर बेहतर होगा कि शादी से पहले ''एनआरआई' गुणों के अलावा बाकी अच्छाइयों को भी जांचा-परखा जाए। चमक-दमक की भूलभुलैया से पार पाकर ही इस अंतहीन दर्द का खात्मा किया जा सकता है।

फोटोग्राफी...

एनुअल हॉर्स बग्घी रेस... *जर्मनी के शहर कक्सहेवेन में एनुअल हॉर्स बग्घी रेस के दौरानद्व आया घुड़सवार। यह रेस 1902 से होती आ रही है और तभी होती है जब समुद्र में हल्की लहरें उठ रही हो।*

प्रेमचंद हिन्दी साहित्य का वह नाम

र्विवाद रूप से हिन्दी कथा साहित्य उर्दू के धनपत राय यानी हिन्दी के कथा सम्राट प्रेमचंद बिना अधूरा है। आज भी प्रेमचंद हिन्दी साहित्य का वह नाम है, जिसने केवल किस्सागोई नहीं की या मनगढंत गल्प नहीं लिखे वरन जीवन को अंदर तक छूती और झकझोरती कहानियां लिखी हैं। प्रेमचंद ऐसे कथाकार हैं, जिनका हर पात्र ऐसा लगता है जैसे हमारे बीच का कोई जीवंत आदमी पन्नों पर उतर आया हो। होरी हो या बंशीधर, गोबर हो या धनिया अथवा शतरंज के खिलाड़ी के नवाब सारे पात्र केवल पुस्तक के पन्नों तक नहीं रहते अपितु अपने काल व वातावरण का एकदम असली रंग बिखेरते हुए रोजमर्रा के जीवन में कहीं-न-कहीं दिख जाते हैं। यह यूं ही नहीं है कि प्रेमचंद को सार्वकालिक रूसी कथाकार लियो टालस्टॉय व मैक्सिम गोर्की का मिश्रित अवतार माना जाता है। मुंशी प्रेमचंद वस्तुत भारतीय हिन्दी साहित्य के ऐसे कालजयी रचनाकार हैं कि उन्हें एक तरफकरने पर हिन्दुस्तानी साहित्य अपूर्ण रह जाता है। मुंशी प्रेमचंद ऐसे ''डार्क पीरियड' में पैदा हुए, जिसमें गुलामी का दंश गहरे डस रहा था, आम भारतीय सुख की जिंदगी जीने की कल्पना नहीं कर सकता थे। अंग्रेजी शासन के तले भारतीय बुरी तरह त्रस्त थे। गरीबी व पोषण बहुत सामान्य बात थी, वर्गभेद व छुआछूत से त्रस्त भारतीय समाज शोषण का एक आईना था और भारतीयों को उच्च शिक्षा से दूर रखने व उच्च पदों तक न पहुंचने देने का पूरा इंतजाम अंग्रेजी शासन ने कर रखा था। इन्हीं परिस्थितियों में अजायब राय व आनंदी देवी का बेटा धनपत राय अपने दूसरे भाई-बहनों के साथ बड़ा हुआ। पढ़ाई-लिखाई के प्रति उसमें बहुत रु चि न थी। परिणामत: लगातार पिछड़ते गए, यहां तक कि बारहवीं भी नहीं पास कर पाए। प्रेमचंद हिन्दी साहित्य को परिस्थितियों की देन भी कहे जा सकते हैं। प्रेमचंद के सहित्य में जहां अपने समय की विसंगतियां, विद्रूपताएं, सामाजिक असमानता, अत्याचार, विवशता, सब कुछ सह लेने की कायरता समाहित है वहीं अमीर वर्ग की अय्याशी, असंवेदनशीलता, चाटुकारिता व अहंकार का भाव जिस सहजता से आया है, वह अन्यत्र दुर्लभ है। ''गोदान' के होरी झुमरू, गोबर, धनिया, ''ईदगाह' के हमीद, ''नमक के दारोगा' के वंशीधर व पं. अलोपीदीन, ''पंचपरमेश्वर' के जुम्मन व अलगू, निर्मला की निर्मला, बड़े ''भाई साहब' के बड़े भाई, ''पूस की रात' के हरखू आदि अपने युग के कालजयी प्रतिनिधि पात्र बन गए और अपने कालखंड व जीवन की पीड़ा का प्रामाणिक प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रेमचंद ने हिन्दी साहित्य को अकेले दम इतना कुछ दिया है कि बाद की कई पीढ़ियां भी उतना नहीं दे पाई। अपनी लगभग हर कहानी में प्रेमचंद ने समाज को कोई-न-कोई नैतिक पाठ जरूर पढ़ाया है। साठोत्तरी कहानी के तो प्रेमचंद बादशाह हैं। आज के कुछ लेखकों के पास पैसा है, शोहरत है। छपने के लिए जुगाड़, सिफारिश व धड़े बंदियां। प्रकाशकों की चिरौरी करना अब छिपा नहीं है। प्रकाशक भी अधकचरे, अनपके लेखकों की छपने की लिप्सा को पूरी तरह दुह रहे हैं। अपने पैसे से चंद प्रतियां छपवाने वाले और बंटवाने वाले विमोचन समारोही लेखकों के अलावा सोशल मीडिया व वेब पेजों तक सीमित रहने वाले कुकुरमुत्तों टाइप लेखकों के बीच क्यों दूसरा प्रेमचंद पैदा नहीं हुआ, इस बात पर प्रेमचंद की जयंती पर चिंतन-मनन करने की महती आवश्यकता है। हम अपने समय में भी कुछ ऐसे प्रेमचंद तराशें व तलाशें जो समकालीन भारतीय जीवन को वांछित मूल्य प्रदान करने वाले साहित्य का सृजन कर प्रेमचंद की परंपरा को आगे बढ़ा सकें।

संक्षिप्त

राज्यपाल ने किया सम्मानित

अंबेडकरनगर, रामभाऊ म्हालनी प्रबोधिनी सभा एवं गंगा सेवा संस्थान के संयोजन में आयोजित एक राष्ट्र एक चुनाव विषयक गोष्ठी लखनऊ 2018 सफलता पूर्वक संपन्न हुई। कार्यक्रम में वक्ता के रूप में आए हिमांचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल और विश्व हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष जस्टिस वीएस कोकजे ने मुखर वक्ता लोकसभा सांसद मीनाक्षी लेखी व रामभाऊ म्हालनी प्रबोधिनी सभा के महानिदेशक रवींद्र साठे ने विस्तार पूर्वक अपना विचार रखा। कार्यक्रम को सफलता पूर्वक संपन्न कराने के लिए गंगा सेवा संस्थान के संस्थापक अवधेश द्विवेदी को राज्यपाल रामनाईक ने सम्मानित किया।

बकाया भुगतान न करने पर चीनी मिलों को अल्टीमेटम

फैजाबाद, समाजवादी पार्टी ने गन्ना किसानों के बकाया भुगतान को लेकर बारिश के बीच केएम शुगर मिल मसौधा एवं रौजागांव चीनी मिल गेट पर धरना दिया। 15 दिन में बकाया भुगतान न किए जाने पर आंदोलन की चेतावनी दी। रौजागांव चीनी मिल के धरने में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अवधेशप्रसाद, विप सदस्य लीलावती कुशवाहा, पूर्व विधायक अब्बासअली जैदी उर्फ रुश्दी एवं जिलाध्यक्ष गंगा सिंह यादव ने शिरकत कर प्रदेश सरकार पर चीनी मिल मालिकों से मिले होने का आरोप लगाया। मिल के विरोध में आयोजित धरने में पूर्व राज्यमंत्री आनंदसेन यादव, तेजनारायण पांडेय पवन, पूर्व विधायक अभय सिंह एवं अनिमेषप्रताप सिंह राहुल ने 15 दिन में बकाया भुगतान करने पर आंदोलन की चेतावनी दी।

भतीजे ने चाचा को चाकू मारा

महराजगंज, पनियरा थाना अंतर्गत ग्राम सभा हेमछापर के टोला भलुआन में कल दोपहर में पैसे के लेनदेन को लेकर चाचा-भतीजा में टकराव हुआ। गुस्साए भतीजे ने (३५) चाचा रमेश निषाद को चाकू मार दिया और फरार हो गया। घायल को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पनियरा में भर्ती कराया गया है।

देवेंद्र अध्यक्ष, संजय बने उपाध्यक्ष

सुल्तानपुर, आईटीआई वेलफेयर एसोसिएशन की कार्यकारिणी का चुनाव पयागीपुर स्थित राजकीय आईटीआई में संपन्न हुआ। प्रधानाचार्य संजय आर्या की अध्यक्षता में संपन्न हुए चुनाव में देवेंद्र सिंह को अध्यक्ष, संजय सिंह उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष अनूप श्रीवास्तव, महामंत्री सुनील मिश्रा, शरद श्रीवास्तव को सर्वसम्मति से मंत्री घोषित किया। इस मौके प्राचार्य आर्या ने कहा कि निर्वाचित पदाधिकारी संघ के हित में कार्य करें। अध्यक्ष ने भरोसा दिलाया कि वे संघ की उन्नति के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। इस मौके पर अंजनी द्विवेदी, हरिश्चंद्र श्रीवास्तव, अवध बिहारी सिंह, अवनीश श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

वज्रपात से ७ बकरियों की मौत, युवती झुलसी

बभनी (सोनभद्र), स्थानीय थाना क्षेत्र घघरी गांव में कल सुबह आकाशीय बिजली की चपेट में आने से सात बकरियों की मौत हो गई और एक युवती झुलस गई। घघरी गांव के चट्टानी टोला निवासी मनराज ने बताया कि घर के एक कमरे में बाइस बकरियां बंधी थीं। इसी दौरान तेज गरज के साथ बिजली कड़की और जहां बकरियां बंधी थी वहीं पर गिर गई। इससे कुल सात बकरियों की मौत हो गई। वहीं पास के कमरे में सो रही पुत्री मानमती भी घायल हो गई। उसे सीएचसी में भर्ती कराया गया।

प्रधान को मिली जान से मारने की धमकी

सूरजपुर (मऊ), घोसी कोतवाली क्षेत्र के मुहम्मदपुर हसनपुर निवासी ग्राम प्रधान व प्रधानाचार्य रामदास यादव पुत्र रामवृक्ष यादव को मोबाइल पर जान से मारने की धमकी दी गई। इसके बाद से ग्राम प्रधान सहित पूरा परिवार दहशत में जीवन यापन कर रहा है। मुहम्मदपुर हसनपुर निवासी ग्राम प्रधान व प्रधानाचार्य रामदास यादव श्री संत तुलसीदास इंटर कालेज मुहम्मदपुर हसनपुर के कार्यालय में बैठकर प्रशासनिक कार्य कर रहे थे। इसी बीच उनके मोबाइल पर एक नंबर से काल आई। काल रिसीव करते ही नाम व पता पूछने के बाद गाली देते हुए न्यायालय में चल रहे विद्यालय के प्रबंधकीय विवाद के मुकदमे व ग्राम प्रधानी को न छोड़ने की स्थिति में दिल्ली में सीपीडब्ल्यूडी में कार्यरत जूनियर इंजीनियर दीनानाथ यादव व प्रधान को जान से मारने की धमकी दी गई।

मोबाइल चार्जर में उतरा करंट, युवक की मौत

देवरिया, गौरीबाजार थाना क्षेत्र के ग्राम रामपुर में कल सुबह मोबाइल चार्जर में करंट उतर जाने से एक युवक चपेट में आ गया। इलाज के लिए उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गांव का अनिल (२८) पुत्र भोला ने मोबाइल को चार्ज के लिए लगा रहा था। उसको यह भनक नहीं लगी कि चार्जर कटा हुआ है और उसमें करंट उतर चुका है। मोबाइल लगाते समय वह करंट की चपेट में आ गया और झुलसने के बाद जमीन पर गिर गया। इसकी भनक परिवार के सदस्यों को बहुत देर से हुई तो परिवार के सदस्य उसे लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गौरीबाजार पहुंचे जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बाढ़ पीड़ितों की करेंगे मदद

करंडा (गाजीपुर), स्वाभिमान संगठन के सदस्यों ने कल दीनापुर प्राइमरी पाठशाला में अपनी मासिक बैठक की। इसमें निर्णय लिया गया कि इस बार बाढ़ से प्रभावित रफीपुर, कसेरा, बड़हरिया, सोकनी आदि गांव पर बराबर सतर्क दृष्टि रखनी है। प्रभावित लोगों की हमें अविलंब मदद करनी है। बैठक में अध्यक्ष डा. देवेश सिंह, मनोज यादव, धीरेन्द्र सिंह, ऋतुराज, सोनू, अमितेश, नेपाली प्रधान आदि मौजूद रहे।

ट्रेन की चपेट में आने से वृद्ध ने तोड़ा दम

बदलापुर (जौनपुर), वाराणसी-लखनऊ वाया सुल्तानपुर रेल मार्ग पर थाना क्षेत्र के बबुरा गांव के पास कल सुबह ट्रेन की चपेट में आने से एक वृद्ध की मौत हो गई। उक्त गांव निवासी रामफेर मौर्य (८०) सुबह शौच करने के लिए रेल पटरी के किनारे गए थे। काफी देर बीत जाने के बाद वापस नहीं लौटे तो परिजन खोजने लगे। ग्रामीणों ने रेल पटरी के किनारे उनका क्षत-विक्षत शव देखा तो परिजनों को सूचना दी। अनुमान लगाया जा रहा है कि रेल पटरी पार करते समय किसी ट्रेन की चपेट में आने से उनकी मौत हो गई। पुलिस ने पंचनामा के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया।

आरक्षण ३ श्रेणियों में बांटा जाए-ओमप्रकाश राजभर

कछवां (मिर्जापुर), मजबूत लोगों को 27 प्रतिशत से अलग करके आरक्षण को ३ कटेगरी में किए जाने की जरूरत है। इनमें पिछड़ा, अति पिछड़ा एवं सामाजिक पिछड़ा के नाम में बांटने से ही भला होगा और वह भी लोकसभा चुनाव के ठीक छह महीने पहले वरना हम अति पिछड़ा और अति दलित की लड़ाई किसी भी हद तक लड़ते रहेंगे। यह बात मुख्यमंत्री से लेकर राष्ट्रपति तक से कह दिया है। ये बातें सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने अति पिछड़ा व अति दलित सम्मेलन में कही। क्षेत्र के नारायणपुर गांव स्थित लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कल आयोजित अति पिछड़ा व अति दलित महासम्मेलन में सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि किसानों के भविष्य का फैसला होना चाहिए। खेतों में किसान गेहूं पैदा करता है और उसे सोलह रुपए किलो बेचता है, उसी गेहूं से चोकर बनता है। उसी गेहूं को उद्योगपति महंगे दामों पर बेच कर मोटी रकम कमाता है। डीएम, एसपी, डीआईजी, कमिश्नर एवं मुख्यमंत्री के बच्चों को आरक्षण मिलता है लेकिन जो जूता सिलता है उसे आरक्षण नहीं मिलता है। गरीबों को आरक्षण मिलना चाहिए और अमीरों का बंद हो। कान्वेंट स्कूलों में जो व्यवस्था मिल रही है वही व्यवस्था प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को भी मिले ताकि गरीब मां-बाप का बच्चा भी पढ़ लिख कर कुछ बन सके। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ी जाति और सामान्य जाति में ऐसी व्यवस्था हो कि बेटा-बेटी को बिना पैसे के पढ़ाकर डाक्टर, कलेक्टर बनाया जा सके। गुजरात और बिहार की तरह उत्तर प्रदेश में भी शराब की बिक्री बंद होनी चाहिए लेकिन यहां तो आबकारी विभाग ठेका उसी को देता है जो पूंजीपति ज्यादा बोली लगाता है। सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि सपा, बसपा, कांग्रेस व भाजपा सभी पार्टियों ने मतदाताओं व कार्यकर्ताओं का सम्मेलन में रेट तय कर दिया है कि चार पूड़ी, एक समोसा व एक लड्डू। जिस दिन उनकी बैठकों में कुर्सी खाली होगी, उन्हें पता चलेगा कि पिछड़ों के दुखों का। पुलिस के जवान चौबीस घंटे में बीस घंटे काम करते हैं पर वेतन आठ घंटों का ही मिलता है। इनसे भी आठ ही घंटे काम लिए जाए। उन्होंने कहा कि वह होमगार्ड और पीआरडी के जवानों की ही सुरक्षा में ही रहेंगे, उन्हें सत्ता नहीं चाहिए। पिछड़े व दलितों को अधिकार व हिस्सेदारी चाहिए। सभी पार्टी अलग-अलग बिरादरी के नेता पैदा करके उन्हें उनके बिरादरी में भेज देते हैं। वोट जुटाने के लिए आज भी सड़कें खराब हैं, दुर्घटना से कितने परिवार बिखर जा रहे हैं। व्यवस्था में सुधार की अभी बहुत जरूरत है। इसके पहले मुख्य अतिथि का पार्टी के पदाधिकारियों ने माल्यार्पण और चांदी की तलवार देकर सम्मानित किया। वहीं संजय सिंह को सदस्यता दिलाई गई। संचालन राजेन्द्र पटेल ने किया। इस मौके पर विधायक अजगरा कैलाशनाथ सोनकर, शशि प्रताप सिंह, उषा यादव, सुर्यबली राजभर, सन्तोष द्विवेदी, इन्द्रेश पटेल, धर्मेन्द्र राजभर, सुनील राजभर आदि लोग रहे सुरक्षा व्यवस्था में सीओ सदर बृजेश सिंह, थाना प्रभारी विजय प्रताप सिंह आदि लोग रहे।

आटो पलटने से आधा दर्जन सवार घायल

गोपीगंज (भदोही), कोतवाली क्षेत्र के अमवां के पास राजमार्ग पर कल देर शाम गोपीगंज से सवारियों को बैठाकर औराई की तरफ जा रहे आटो के पलट जाने से आधा दर्जन सवार गंभीर रुप से घायल हो गए। सभी घायलों का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया जहां हालत गंभीर होने पर अन्यत्र रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार एक आटो चालक गोपीगंज की ओर सवारियां लादकर औराई जा रहा था उक्त स्थान पर सवारी उतारने लगा तभी पीछे से फर्राटा भरते आ रही पिकअप ने खड़ी आटो में जोरदार टक्कर मार दिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सवारियों से भरी आटो पलट गई और चीख-पुकार शुरु हो गई। स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर घायल रीना देवी पत्नी श्यामलाल निवासी सारीपुर, प्रेमा देवी (४०) पत्नी सुबास निवासी माधोपुर, उर्मिला (२५) पत्नी राधेश्याम निवासी बैदा, ओमकार (५) पुत्र रोहित निवासी उपरदहां, प्रिंस एक वर्ष पुत्र रमेश निवासी सारीपुर को उपचार के लिए सामुदायिक केंद्र भेजवाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर सभी घायलों को चिकित्सकों ने अन्यत्र रेफर कर दिया। घटना को लेकर राजमार्ग पर काफी देर तक अफरातफरी मची रही। तो वहीं टक्कर मारने के बाद पिकअप चालक मय वाहन भागने में सफल रहा।

हादसे में जौनपुर के युवक की मौत, ३ लोग घायल

बरईपार (जौनपुर), साथियों को एलटी ग्रेड में शिक्षक हेतु परीक्षा दिलाने कार से लखनऊ जा रहे वारी गांव निवासी सूरज की रास्ते में हुए सड़क हादसे में मौत के बाद घर में कोहराम मच गया। वह अपने परिवार के करीबी शिक्षक की कार लेकर भोर में साथियों के साथ निकला था, किंतु उसे क्या पता था कि जिस कार्य के लिए वह निकला है उसे पूरा करने पहले ही काल के काल में समा जाएगा। मछलीशहर कोतवाली क्षेत्र के वारी निवासी सूरज मिश्रा (२७) टीडी कालेज एम काम प्रथम वर्ष का छात्र था। वहीं पर रहकर पढ़ाई करता था। एक सप्ताह पहले घर से गया था। यहां उसकी मित्रता आशीष सिंह निवासी हैदरपुर थाना बक्शा, शैलेंद्र सिंह निवासी गोधुआं थाना मुंगराबादशाहपुर से हुई। आशीष और शैलेंद्र एलटी ग्रेड में शिक्षक के लिए आवेदन किए थे, जिनका सेंटर लखनऊ में था। दोनों को रविवार को आयोजित इस परीक्षा में शामिल होना था। इसके लिए सूरज ने अपने परिवार के करीबी व सिरसी निवासी शिक्षक अशोक तिवारी की कार मंगवा लिया। इसमें तीनों को कार में बैठाकर चालक विंदेश यादव निवासी जमैथा थाना जफराबाद रविवार की भोर में लखनऊ के लिए निकला। कार प्रतापगढ़ जिले लालगंज के तेना के टेटुआ मोड़ के पास पहुंची थी कि अनियंत्रित होकर हाइवे किनारे खंभे से टकरा गई। इससे कार सवार सूरज पुत्र दिनेश की मौत हो गई। इस हादसे में उसके साथ परीक्षा देने जा रहे आशीष सिंह, शैलेंद्र सिंह और विंदेश यादव घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालगंज में भर्ती कराते हुए हादसे की जानकारी मृतक के परिजनों को दिया। इधर परिजन घर की महिलाओं को बिना बताए घटना स्थल के लिए रवाना हो गए। शाम को घर शव लेकर वारी पहुंचे तो कोहराम मच गया। परिजनों ने कहा कि घटना स्थल पर मिले उपनिरीक्षक लालगंज राधेश्याम ने बताया कि हादसे के समय सूरज कार को चला रहा था। बारिश और गाड़ी चलाने का कम अनुभव होने के कारण हादसे का शिकार हो गया। गाड़ी के खंभे से टकराने के बाद पलट गई, जिससे सूरज गाड़ी की स्टैयरिंग में ही फंस गया। छोटे भाई की मौत के बाद आशुतोष का रो-रोकर बुरा हाल था। मां और सहकारी बैंक सुजानगंज में खजांची पद पर तैनात पिता दिनेश मिश्र बेसुध हो जा रहे थे।

संदिग्ध बीमारी से महिला की मौत, दो गंभीर

सिद्धार्थनगर, थाना क्षेत्र के ग्राम अमौना में संदिग्ध बीमारी की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। दो किशोरी गंभीर है। किशोरियों का इलाज मेडिकल कालेज में चल रहा है। मृतक महिला का नाम गुड़िया (३०) पत्नी आत्माराम व है। ग्रामीणों ने स्वास्थ्य विभाग की टीम को भेजने की मांग किया है। गुड़िया देर रात में भोजन करने के बाद एक गिलास दूध पीया। उसके बाद उसे सांस लेने में दिक्कत हुई। परिजन उसे सीएचसी लेकर गए। डाक्टरों ने महिला को जिला अस्पताल बस्ती रेफर कर दिया। इसी दौरान रोशन (१४) व चांदनी (१२) पुत्री परमात्मा प्रसाद को भी यही समस्या पैदा हो गई। लोगों ने दोनों को सीएचसी पहुंचाया। जहां उन्हें मेडिकल कालेज गोरखपुर रेफर कर दिया गया। इसके बाद गांव में संदिग्ध बीमारी को लेकर लोग भयभीत हो गए। चिकित्सक इटवा सीएचसी डा. संजय गुप्ता ने कहा कि तीनों मामलों की प्राथमिक जांच किया गया था। प्रथम दृष्यता जहरीला पदार्थ सेवन का लक्षण मिला है। गंभीर स्थिति को देख रेफर कर दिया गया। अधीक्षक सीएचसी डा. बीके वैद्य ने कहा कि संदिग्ध बीमारी फैलने की सूचना मिली है। जल्द ही गांव में स्वास्थ्य टीम को भेजा जाएगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने किया सभास्थल का निरीक्षण

पीडीडीयू नगर (चंदौली), भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह, रेल मंत्री पीयूष गोयल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ५ अगस्त को होने वाली सभा के मद्देनजर स्थानीय सांसद व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. महेंद्र नाथ पांडेय ने कल कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। यहां मौजूद अधिकारियों से जानकारी ली। देर शाम कैलाशपुरी स्थित पोद्दार भवन में कार्यकर्ताओं संग बैठक कर कार्यक्रम की सफलता की रणनीति बनाई। कार्यक्रम के लिए यूरोपियन कालोनी के खेल मैदान को तय किया गया है। वहीं हेलीपैड के लिए रेलवे इंटर कालेज के मैदान को चुना गया। प्रदेश अध्यक्ष ने सभी स्थलों का निरीक्षण किया। कहा भारतीय जनता पार्टी के मार्गदर्शक व प्रेरणास्त्रोत पं. दीनदयाल उपाध्याय जी का यहां पार्थिव शरीर मिला था। उन्हीं की स्मृति में लोकभावना को देखते हुए जंक्शन का नाम उनके नाम पर रखा गया है। साथ ही नगर का नाम भी उन्हीं के नाम पर रखा गया है। इस अभियान को राष्ट्रीय स्तर पर लिया जा रहा है। आधुनिक विचारकों में से श्रेष्ठ विचारक पं. दीनदयाल उपाध्याय जी रहे। उनके इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष, रेलमंत्री व मुख्यमंत्री के साथ -साथ कई मंत्री व वरिष्ठ भाजपा नेतागण शिरकत करेंगे। इस दौरान क्षेत्रीय अध्यक्ष महेश श्रीवास्तव, विधायक डा. अवधेश राय, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अनिल सिंह, प्रदेश प्रवक्ता प्रमोद तिवारी, जिलाध्यक्ष सर्वेश कुशवाहा, विधायक साधना सिंह, सुशील सिंह, पिंडरा विधायक अवधेश सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष राणा प्रताप सिंह, अनिल गुप्ता गुड्डू, शशि शंकर सिंह सहित सीओ सदर प्रदीप चंदेल आदि उपस्थित थे।

भैंसासुर घाट को गोद लेगी यूपी सरकार, मांगा प्रस्ताव

वाराणसी, भैंसासुर घाट पर उत्तर प्रदेश की विविध प्रस्तुतियां कराने की तैयारी है। घाट को उत्तर प्रदेश सरकार जल्द गोद लेगी, इसके लिए प्रस्ताव मांगा

गया है जिस पर शीघ्र निर्णय की उम्मीद है। क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी, सुभाष यादव ने बताया कि प्रस्ताव संस्कृति विभाग के निदेशक को भेजा गया है। उन्हें प्रस्ताव के माध्यम से भारत आनंद, काशी आंनद के अब तक के सफर व उपलब्धियों के बारे में अवगत कराया गया। बताया गया है कि अलग-अलग राज्यों की अपनी लोक, कला-संस्कृति है। जिसे घाटों पर प्रस्तुत किया जा रहा है। ऐसे में यहां सभी प्रांत के लोग निवास करते हैं और धार्मिक व पर्यटन के तौर पर समय-समय पर आते भी हैं। उनको अपने राज्य और अन्य राज्यों की कला-संस्कृतियां देखने का मौका मिल जाए तो उनका सफर यादगार हो जाएगा। भारत आनंद, काशी आनंद का आगाज बीते 25 अप्रैल को राजेंद्र प्रसाद घाट पर भव्य समारोह के बीच हुआ था। प्रतिदिन शाम पांच बजे से होने वाली सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का क्रम बीच में महज दो दिन के लिए फ्लाईओवर हादसे के चलते स्थगित किया गया। 91 दिनों तक चले काशी आनंद में यूपी, बिहार, झारखंड, बंगाल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, असम, उत्तराखंड, राजस्थान व पंजाब आदि राज्यों सहित विभिन्न समाज के कलाकारों ने अपनी -अपनी लोक संस्कृति की प्रस्तुति की। हर दिन सैलानियों और दर्शकों का उमड़ने वाला रेला काशी आनंद की महत्ता और इसकी लोकप्रियता को प्रदर्शित करता रहा। यदि बाढ़ न आती तो यह सिलसिला यूं ही जारी रहता। खैर, गंगा का उफान थमेगा और फिर से काशी आनंद की प्रस्तुतियां लोगों को फिर से मंत्रमुग्ध करेंगी।

मारपीट में महिला की मौत, हंगामा

गोंडा, पेड़ काटने को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई। इसमें छह लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल लाया गया। जहां इलाज के दौरान एक महिला की मौत हो गई। जबकि अन्य का इलाज चल रहा है। बताया जाता है कि नगर कोतवाली क्षेत्र के रानीपुरवा गांव में एक पेड़ काटने को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई। देखते ही देखते लाठी-डंडा व सरिया लेकर दोनों पक्षों के लोग एक-दूसरे को मारने लगे। मारपीट में (४५) अशोक कुमारी, (७०) धवलकला सहित छह लोग घायल हो गए। इलाज के दौरान अशोक कुमारी की मौत हो गई। एसपी लल्लन सिंह ने बताया कि कोतवाली पुलिस को मामले में कार्रवाई का निर्देश दिया गया है।

सर्पदंश से युवक की मौत

बहरियाबाद (गाजीपुर), सादात थाना क्षेत्र के सतुहारी (देवापार) निवासी मनोज कुमार (४५) की सर्पदंश से मौत हो गई। रात में सोने से पूर्व मनोज ने अपनी पत्नी से कहा कि मुझे कुछ पैर में कुछ काट लिया है। तब पत्नी ने कहा सो जाइये, कुछ नहीं काटा है। इसके बाद मनोज सो गए। सुबह देर तक वह बिस्तर पर ही पड़े रहे। पत्नी ने बेहोश समझकर लोगों को बुलाया। आसपास के लोग उसे मखदुमपुर में निजी चिकित्सक के यहां ले गए। जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।

आवास दिलाने में ठगी करने वाले को डीएम से बताएं-हरिओम पांडेय

अंबेडकरनगर, आवासीय योजनाओं को दिलाने के नाम पर कोई भी बिचौलिया रुपया लेता है या किसी प्रकार का प्रलोभन देता है, तो इसकी सूचना तत्काल जिलाधिकारी को दें। ताकि किसी भी गरीबों का शोषण नहीं होने पाए। उक्त बातें सांसद डा. हरिओम पांडेय ने लोहिया सभागार में आयोजित प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के आवंटन समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना में चयनित लाभार्थियों का चयन एजेंसी के माध्यम से कराया गया है। इसके साथ ही आवास निर्माण की धनराशि भी उनके खाते में सीधा भेजी जा रही है। सांसद ने बताया कि कोई भी गरीब बगैर आवास के अब नहीं रहेगा। महिलाओं को स्वामित्व देने का काम केवल भाजपा ने ही किया है। बताया कि जिले में कुल 5564 आवास स्वीकृत हो चुके हैं, इसमें 896 लाभार्थियों को प्रथम किस्त तथा 505 कर्मचारियों को दूसरी किस्त प्रदान कर दी गई है। इस मौके पर जिलाधिकारी सुरेश कुमार ने भरोसा दिलाया कि लाभार्थियों का प्रत्येक दशा में जिला प्रशासन सहयोग करेगा और कोई भी बिचौलिया दलाली नहीं कर पाएगा। इस मौके पर टांडा विधायक संजू देवी, नगर पालिका अकबरपुर चेयरमैन सरिता गुप्ता, मुख्य विकास अधिकारी उमेश नारायण पांडेय, जिला विकास अधिकारी एमपी मिश्र सहित लाभार्थी मौजूद रहे।

उद्योगों की स्थापना में होगी हर संभव मदद

गोरखपुर, इन्वेस्टर्स समिट में जिन उद्यमियों ने भी एमओयू पर साइन किए हैं उन्हें, उद्योगों की स्थापना में हर संभव मदद की जाएगी। उद्यमी अपने आवेदनों को निवेश मित्र पोर्टल पर डालें, जहां उनकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। उद्यमी भी स्थानीय लोगों को रोजगार मुहैया कराएं, जिससे कि युवा पलायन के लिए मजबूर न हों। यह बातें प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह का सीधा प्रसारण देखने के बाद कहीं। लखनऊ में उत्तर प्रदेश इन्वेस्टर्स समिट 2018 के प्रथम ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह का कलेक्ट्रेट सभागार में सीधा प्रसारण किया गया। कार्यक्रम की समाप्ति के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए नगर विधायक डा. राधामोहन दास अग्रवाल ने कहा कि उद्यमी प्रदेश में उद्योग लगाने के लिए आ रहे हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश में 22 फीसद उद्योगों की स्थापना समिट के माध्यम से हो रही है। सहजनवां विधायक शीतल पांडेय ने कहा कि उद्योगों को बढ़ाने के लिए मिलकर कार्य करना होगा। विधायक ने उद्यमियों से स्थानीय लोगों को भी रोजगार मुहैया कराने की अपील की। जिलाधिकारी के. विजयेन्द्र पाडियन ने कहा कि जनपद में जिन व्यापारियों के द्वारा एमओयू साइन किया गया है, उनकेउद्योग की शीघ्र स्थापना के लिए जो भी आवश्यक सहयोग होगा उसे किया जाएगा। जनपद के औद्योगिक विकास के लिए शीघ्र ही लैंड बैंक तैयार किया जाएगा। जिलाधिकारी ने उद्यमियों से अपील किया कि वह निवेश मित्र पोर्टल पर अपने आवेदन को भेजें। सिंगल विंडो के रूप में काम करने वाले इस सिस्टम पर सभी प्रकार की अनुमति मिल जाएगी। कार्यक्रम के दौरान एडीएम प्रशासन एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस सेवादल ने किया ध्वजवंदन

सुल्तानपुर, राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ की तर्ज पर अब कांग्रेस सेवादल ने भी ध्वज वंदन कार्यक्रम शुरू कर दिया है। तिकोनिया पार्क में जिले के कांग्रेसी जुटे और संगठन के ध्वज को प्रणाम कर सभा की। सेवादल के जिलाध्यक्ष कृष्ण मुरारी निषाद के संयोजन में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। संगठन के अतिरिक्त प्रदेश महिला संगठक रेनू श्रीवास्तव ने ध्वज रक्षक के रूप में ध्वजा रोहण कार्यक्रम संपन्न कराया। बतौर मुख्य अतिथि मौजूद पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष विष्णु प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि यह कार्यक्रम निरंतर चलाया जाएग और सांप्रदायिक शक्तियों को मुंहतोड़ जवाब देगा। इस अवसर पर सेवादल के अतिरिक्त प्रदेश मुख्य संगठक बृजभूषण सिंह अकेला, महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष उर्मिला उपाध्याय, नगर अध्यक्ष सिराज भोला आदि ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इस मौके पर अशोक उपाध्याय, दयाशंकर दुबे, पवन मिश्रा, रंणजीत सलूजा, सुब्रत सिंह शनी, रीतेश रजवाड़ा, ओपी सिंह, शीतला साहू, किरन राना आदि मौजूद रहे।

ग्रामीण क्षेत्रों की सफाई का होगा सर्वेक्षण

मिर्जापुर, लोहिया तालाब स्थित एक स्कूल में स्वच्छ भारत मिशन के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन कर एक अगस्त से शुरू होने वाले स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान की जानकारी दी गई। बताया गया कि इसके लिए शहरों की तर्ज पर अब ग्रामीण क्षेत्रों का भी सर्वेक्षण किया जाएगा। कार्यशाला का आरंभ मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। डीएम अनुराग पटेल ने कहा कि इसके लिए एक एप विकसित किया गया है जिसके माध्यम से मौके से ही सफाई की जानकारी दी जा सकती है। सौ अंकों के सर्वेक्षण को तीन भागों में बांटा गया है। इसमें 30 अंक प्रत्यक्ष निरीक्षण, 35 अंक फीड बैक और 35 अंक सर्विस लेबल प्रगति के लिए निर्धारित किए गए हैं। मुख्य विकास अधिकारी प्रियंका निरंजन ने कहा कि इस सर्वेक्षण के लिए भारत सरकार ने एक एप विकसित किया गया है जिससे हम मौके से ही रिपोर्ट एवं फीड बैक दे सकते हैं। सीडीओ ने तीनों वर्गीकरण को विस्तार से समझाया। डीपीआरओ सीआर जायसवाल व डीसी एसबीएम विनोद श्रीवास्तव ने भी एप एवं इसके उद्देश्य के बारे में पूरी जानकारी दी। इस अवसर पर ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम प्रधान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

स्पार्किंग होने से ट्रैक्टर-ट्राली में उतरा करंट, एक कांवरिया की मौत

देवरिया, कोतवाली क्षेत्र के रुद्रपुर- पिड़रा मार्ग पर मंझना नाले के समीप जेनरेटर का नंगा तार छूने से करंट की चपेट में आ जाने से कल सुबह एक कावरिया किशोर की मौत हो गई। वह कांवड़ियों के साथ बाबा दुग्धेश्वरनाथ मंदिर में जल चढ़ाने के लिए ट्रैक्टर- ट्राली पर दोस्तों के सोथ जा रहा था। घटना में अन्य को कोई नुकसान नहीं हुआ है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रुद्रपुर कोतवाली क्षेत्र के पिड़हनी निवासी साहिल यादव (१५) पुत्र महातम यादव गांव के लोगों के साथ बरहज के सरयू में लोगों के साथ जलभरकर आ रहा था। अभी वे पिड़रा रोड पर उपनगर के समीप पेट्रोल पंप पर डीजल भराने के लिए गए थे। उसके बाद किसी ने डीजे चलाने के लिए जेनरेटर स्टार्ट किया। इस दौरान ट्रैक्टर- ट्राली में नंगा तार होने से वह करंट की चपेट में आ गया। घटना के समय वह ट्रैक्टर - टाली में बैठा। था अन्य साथी नीचे थे। जेनरेटर बंद होता कि उसकी जान चली गई। लोग उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर ले गए जहा चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पलभर में सारी खुशी मातम में बदल गई।

विद्यालय का ताला तोड़कर हजारों की चोरी

आजमगढ़, जहानागंज थाना क्षेत्र के मसुआ गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय के कमरे का ताला तोड़कर चोर अंदर घुस गए। चोरों ने विद्यालय में रखा एमडीएम का बर्तन, खाद्यान्न, गैस सिलेंडर समेत अन्य सामान उठा ले गए। सुबह घटना की जानकारी होने पर ग्रामीणों ने विद्यालय के प्रधानाध्यापक के साथ ही पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर प्रधानाध्यापक के साथ ही पुलिस भी मौके पर आकर घटना की छानबीन की। प्रधानाध्यापक सचन का कहना है कि इसके पूर्व भी विद्यालय में चोरी हुई थी, लेकिन उक्त चोरी की घटना का पुलिस आज तक खुलासा नहीं कर सकी। इससे हौसला बुलंद चोरों ने दूसरी बार विद्यालय में चोरी की घटना को अंजाम दिया है। प्रधानाध्यापक ने प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए अज्ञात चोरों के खिलाफ जहानागंज थाना में तहरीर दे दी है।

आवास की चाभी मिलने पर पीएम को दिया धन्यवाद

वाराणसी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना का हाल जाना। मालूम हो कि जिले के 1060 लाभार्थी को 14 करोड़ 30 लाख की धनराशि जारी किया। जिसमें 144 लाभार्थियों को पहली किस्त के रूप में 50 हजार, 900 लाभार्थियों को 150 हजार व 16 को 50 हजार की धनराशि शामिल है। इस अवसर पर पहड़िया, सारनाथ में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के उन 16 लाभार्थियों जिन्हें तृतीय किस्त की धनराशि दिया गया और उनके आवास बन कर तैयार हो चुका है उनके आवास की चाबी विधायक उत्तरी रवींद्र जायसवाल एवं जिलाधिकारी सुरेंद्र सिंह ने उपलब्ध कराया। आवासों की चाभी प्राप्त करने वाले लाभार्थी में भोजूबीर निवासी गायत्री देवी, सरसौली की मन्नी, पहड़िया की चंदा देवी, शिवपुर की लल्ली देवी, सरनाथ की संजू देवी, आशापुर की लीलावती देवी, सारनाथ की चंद्रबाला देवी, शिवपुर की उर्मिला, तरना की मीना, लहरतारा की बबीता, अनौला उषा देवी, सुदामापुर के कुमारी देवी, सुदामापुर की गुड्डन देवी, सारनाथ की मंजू देवी, तरना की मालती देवी व सारनाथ की राजमनी देवी प्रमुख रही। कार्यक्रम स्थल पर एलईडी के माध्यम से लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया जा रहा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री आवास योजना के सरसौली भोजूबीर के लाभार्थी ज्ञानती देवी पत्नी अशोक कुमार से वार्ता की। ज्ञानती ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कहा कि उनकी कृपा से उसे अपना आवास मिल गया। इसके लिए उसने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देते हुए बताया कि पहले वह किराए के कच्चा खपरैल के मकान में रहती थी। बरसात के दिनों में उसमें पानी टपकता रहा।

सूरत। गृहमंत्री राजनाथ सिंह द्वारा राज्य सभा में सम्राट चन्द्र गुप्त मौर्य के विषय में विवादित बयान के खिलाफ सोमवार को डिंडोली से कलेक्टर ऑफिस तक रैली निकाली और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

गुजरात हाईकोर्ट ने अति महत्वपूर्ण फैसला सुनाया

अब आरटीई के तहत सभी बच्चों को प्रवेश दिया जाए

अल्पसंख्यक समाज के लोगों की ओर से चलाई जाने वाली स्कुलो के लिए भी हाईकोर्ट का हुकम जारी

अहमदाबाद। गुजरात में समाज के गरीब और कमजोर वर्ग के बच्चों को राइट टु एज ुकेशन (आरटीई) एक्ट के तहत बिना मूल्य प्रवेश के बारे में की गई रीट अर्जी पर गुजरात हाईकोर्ट ने आज महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि आरटीई के तहत संबंधित सभी बच्चों को प्रवेश दिया जाए। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में यह भी कहा कि अल्पसंख्यक समाज के लोगों की ओर से चलाई जाने वाली अल्पसंख्यक शैक्षणिक ट्रस्ट का स्टेटस ऐसे ही नहीं मिल जाता है। हाईकोर्ट के जस्टीस एम.आर. शाह और जस्टीस ए.वाय. कोकजे की खंडपीठ ने आरटीई एक्ट के तहत की गई अर्जीयों पर सुनवाई के दौरान महत्वपूर्ण बाते भी बताई। संबंधित सभी बच्चों के प्रवेश देने के लिए राज्य सरकार को आदेश किया गया है। जिन बच्चों के प्रवेश को लेकर अर्जी की गई होगी उन सभी को प्रवेश देने के लिए हाईकोर्ट में सरकार से स्पष्ट आदेश किए है। सामाजिक कार्यकर चंद्रवदन ध्रुव की ओर से की गई अर्जी के बाद गुजरात हाईकोर्ट ने यह आदेश दिया है। हाईकोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि टेकनिकल कारणोसर जो याचिकाए रद्द की जा चुकी है उन्हे फिरसे मौका दिया जाएगा और प्रथम राउन्ड के बाद बाकी रहे गए सभी बच्चो को आरटीई के तहत स्कुलो में प्रवेश दिया जाएगा। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में अल्पसंख्यक स्कुलो और उनके स्टेटस को लेकर भी महत्वपूर्ण आदेश किया। हाईकोर्ट ने कहा कि अल्पसंख्यक समाज के लोगों के द्वारा चलाई जाने वाली अल्पसंख्यक शैक्षणिक ट्रस्ट का स्टेटस ऐसे ही नहीं मिल जाता है। जो स्कुले संस्थाए, ट्रस्ट अल्पसंख्यक के रुप में जरुरी मान्यता रखते है उन्हे सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार आरटीई के दायरे से बाहर रखा जाता है किन्तु जिनके पास कोई मान्यता नहीं हैं उन्हे आरटीई की तहत २५ फीसदी के अनुसार बच्चो को कक्षा-१ में फ्री में प्रवेश दिया जाए। हाईकोर्ट के इस आदेश से अल्पसंख्यक स्कुलो और ट्रस्टो को भी बड़ा झटका लगा है। इन संस्थाओं ने आदेश के खिलाफ सुप्रिम में जाने के लिए दो सप्ताह के लिए स्टे की मांग की थी। हाईकोर्ट ने मांग के बाद १४ अगस्त तक उन्हें सुप्रीम कोर्ट में जाने की मंजुरी दे दी है।

चंद्रवदन ध्रुव ने बताया कि जीन स्कुलों को अल्पसंख्यक के रुप में मान्यता नहीं मिली है फिरभी उन्होंने गुजरात हाईकोर्ट में अर्जी दायर की है। कानूनी प्रक्रिया के चलते राज्य के ४५ हजार से अधिक बच्चों को प्रवेश एक में प्रवेश देने में विलंब हुआ है। राज्य में ५३४९० बच्चों को प्रवेश से वंचित रखा गया है।

अलग अलग जोन में कुल ९९ युनिट सीट हुए

गंदगी फैलाने वाले युनिटो के खिलाफ कड़ी कार्रवाई

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर के म्युनिसिपल कमिशनर विजय नहेरा के आदेश के अनुसार सार्वजनिक जगहों पर गंदगी करने वाले वाणिज्य युनिटो के खिलाफ तंत्र की ओर से कड़ी कार्रवाई की जा रही है। शहर के अलग अलग इलाको में सार्वजनिक जगहों पर गंदगी फैलाने वाले तत्वो के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है। आज अहमदाबाद शहर में कॉर्पोरेशन की ओर से आक्रमक कार्रवाई की गई। जि सके चलते १०० से अधिक युनिटो के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हे सील किया गया। शहर के मोटेरा इलाके में स्थित डीमार्ट भी शामिल है। कॉर्पोरेशन की ओर से इस अभियान में अबतक शहरभर में ६६१ से अधिक युनिट को सील किये जा चुके है। अगले दिनों में भी कार्रवाई जारी रहने की संभावना है। गंदगी फैलाने वाले युनिटो के खिलाफ कार्रवाई और अधिक कड़ी की जाएगी। आज शहर के पश्चिम जोन के साबरमती वोर्ड के स्मृति मंदिर के निकट मोर्डरन ऐरा, रामनगर में प्रकाश कोलड्रिन्क, आयुषी नास्ता हाउस, बेरोनेट कोम्पलेक्स चार रास्ता के निकट सत्यम पान पार्लर, जवाहर चोक में चामुंडा पान पार्लर, चांदखेडा वोर्ड में आईओसी-चांदखेडा रोड पर मिलन चवाणा एन्ड स्वीटमार्ट, हरसिद्ध स्टेशनरी मार्ट, चांदखेडा बस स्टेशन के निकट बजरंग पान पार्लर, प्रकाश पान पार्लर, न्यु सीजी रोड पर लक्ष्मी विजेटेबल मार्ट के खिलाफ साबर्वजनिक रुप से गंदगी फैलाने के कारण सीलींग की गई है। जिसके चलते व्यापारीयों में भी भारी दहेशत फैल गई है। दुसरी और चांदखेडा में उत्तम स्वीटमार्ट के शुभारंभ खुलाजी चौधरी के पासे से ३००० रुपये दंड वसुल किये गए।

कुल मिलाकर आज १६१०५० रुपये का प्रशासनिय चार्ज वसुल किया गया। मिली जानकारी के मुताबिक मणीनगर में ३, बहेरामपुरा में ४, दाणीलीमडा में ५, ईन्द्रपुरी में ५, वटवा में ५, इनसपुर में ५, लांभा में ५, खोखरा में ५ मिलाकर दक्षिण जोन में ३७ कोमर्शियल युनिटो को सील किया गया है। मध्य जोन में खाडिया में ६, दरियापुर में ३, शाहपुर में १, जमालपुर में ५, शाहीबाग में ३ और असारवा में २ को मिलाकर २० कोमर्शियल युनिटो को गंदगी के चलते सील किया गया है।

कहा कितने युनिट सील

अहमदाबाद, ३० जुलाई।

अहमदाबाद शहर में अलग अलग इलाकों में कहा कितने युनिट सील हुए यह निम्न है।

तारीख	सील युनिट की संख्या
२६-०७-२०१८	८९
२७-०७-२०१८	२१४
२८-०७-२०१८	२५९
३०-०७-२०१८	९९
कुल	६६१

अहमदाबाद में उल्टी-दस्त के २८ दिन में ९६७ केस

अहमदाबाद। मोनसून की सिजन चल रही है तब अहमदाबाद शहर में म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की ओर से मच्छरजनीत और पानीजनीत रोगों को रोकने के लिए अलग अलग कदम उठाए जा रहे हैं फिर भी शहर के अलग अलग जोन में मच्छरजनीत और जलजनीत केस सतह पर आ रहे है।

अहमदाबाद में ऑटोरिक्सा चालको की हडताल के चलते शहर के एएमटीएस बस स्टेन्ड पर यात्रियों की भारी भीड देखने को मिली।

आज २१ चतुर्थी का फल देने वाली अंगारकी संकष्टी चतुर्थी

लालदरवाजा के सिद्धिविनायक, गणपतिपुरा के प्रसिद्ध गणपतिमंदिर सहित के मंदिरों में भक्तों की लंबी लाइन

अहमदाबाद। हरएक शुभ कार्य की शुरूआत जि नके स्मरण से होता है ऐसे विघ्नहर्ता भगवान गणेश की कृपा प्राप्त करने का श्रेष्ठ दिन यानी कि अंगारकी संकष्टी चतुर्थी मंगलवार और अंगारकी चतुर्थी का अनोखा संयोग बन गया है, जिसे लेकर गणेशभक्तों में भारी उत्साह और भक्ति का माहौल छाया हुआ है। मंगलवार की अंगारकी चतुर्थी २१ चतुर्थी का फल देनेवाली होने की वजह से गणेश भगवान की कृपा और आशीर्वाद लेने के लिए मंगलवार को अहमदाबाद शहर सहित राज्यभर के गणेशमंदिरों में गणेशभक्तों की लाइन लग जाएगी। ज्योतिषियों के अनुसार मंगलवार रात को ९.४० बजे चंद्रोदय होगा जिसकी वजह से मंदिर के दरवाजे तब तक खुले रहेंगे। शहर के लालदरवाजा में सिद्धिविनायक मंदिर, धोलका तहसील के कोठ गांव में गणपतिपुरा के प्रसिद्ध गणपतिमंदिर, महेमदावाद के सिद्धिविनायक, वस्त्रापुर के गणपति मंदिर, शाहीबाग के गणेश मंदिर सहित राज्यभर के गणेश मंदिरों में लाखों की संख्या में श्रद्धालु भगवान के दर्शन करने के लिए पहुंचेंगे तब मंदिर प्रशासन द्वारा भी मंगलवार की अंगारकी चतुर्थी को लेकर भक्तों के लिए दर्शन की विशेष व्यवस्था और प्रसाद की तैयारियां की गई है। गणेश भक्तों में अंगारकी संकष्टी चतुर्थी का काफी महत्व है। शास्त्रों के अनुसार यह एक चतुर्थी करने से २१ चतुर्थी करने का फल प्राप्त होता है। मंगलवार को विक्रम संवत् २०७४ की तीसरी और अंतिम अंगारकी संकष्टी चतुर्थी है। अब आगामी अंगारकी संकष्टी चतुर्थी विक्रम संवत् २०७५ के महीने में २५ दिसम्बर को आयेगा। अंगारकी संकष्टी चतुर्थी गणेश भगवान की साधना -प्रार्थना करने का और उनकी कृपा प्राप्त करने का अनोखा दिन है।

विघ्नहर्ता भगवान लाखों भक्त अंगारकी संकष्टी चतुर्थी के दिन व्रत करके प्रार्थना-पूजा के साथ भगवान गणेश को प्रसन्न करने का मनाने का प्रयास करते है। यह दिन गणेश पूजा के लिए भी काफी महत्वपूर्ण दिन होता है। शास्त्र के विशेषज्ञों द्वारा बताये अनुसार इस दिन में संभव हो सके उतनी बार ओम् गं गणपतयै नमः का पाठ करना चाहिए।

सीजी रोड पर घंटे के अनुसार पार्किंग चार्ज वसूला जाएगा

अहमदाबाद। एएमसी प्रशासन द्वारा अब शहर के सीजी. रोड पर घंटे के अनुसार पार्किंगचार्ज वसूलने की कवायद शुरू की गई है। भाजपा के शासकों ने शहर के सीजी. रोड पर ज्यादा से ज्यादा लोग अपने वाहन पार्क कर सके इस उद्देश्य से संबंधित वाहन के पार्किंग चार्जिस घंटे के अनुसार वसूलने की दिशा में काम शुरू किया गया है।

फिलहाल में शहरभर में विशेष करके ट्राफिक के मुद्दे पर गुज रात हाईकोर्ट के आदेश की वजह से ट्राफिक पुलिस और म्युनिसिपल प्रशासन सक्रिय हो गया है। ट्राफिक पुलिस द्वारा ट्राफिक नियम के लिए सख्ती से दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। दूसरी तरफ एएमसी प्रशासन भी ६५ से ज्यादा ट्राफिक जंकशन पर अतिक्रमण हटाने की दिशा में विशेष कार्रवाई की गई है। इसके अलावा शहरीज नों को ज्यादा से ज्यादा पार्किंग सुविधा उपलब्ध कराने के लिए नये २५ पार्किंग प्लोट में पार्किंग की सुविधा देने की दिशा में कवायद शुरू की गई है।

किसी भी हालात में शहर में हुए गड्ढे का तुरंत समाधान करे

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर में खराब रास्तों, आवारा पशुओं की स्थिति और मॉनसून के दौरान हुए गड्ढे की परिस्थिति को लेकर चल रहे केस की सुनवाई के दौरान सोमवार को गुजरात हाईकोर्ट ने शहर में हुए गड्ढे को लेकर तुरंत एएमसी प्रशासन द्वारा शुरू किए गए कामकाज को लेकर भारी नाराजगी व्यक्त की गई है। जस्टिस एमआर. शाह और ज स्टिस एवाय. कोगजे की खंडपीठ ने एएमसी प्रशासन को फटकार लगाते हुए कहा है कि, शहर में विभिन्न क्षेत्रों में हुए गड्ढे के कारण शहर में भयंकर और खतरनाक परिस्थिति का निर्माण हुआ है।

शहर के सरदारनगर पुलिस स्टेशन इलाके में एडवोकेट पर हमला होने के बाद इस घटना के विरोध में सिटी मेट्रो कोर्ट में एडवोकेट ने कोर्ट कार्रवाई का बहिष्कार किया।

जोधपुर में सीएम आवास योजना की अपार्टमेन्ट की दीवार धराशायी

अहमदाबाद। शहर के जोधपुर क्षेत्र में स्थित मुख्यमंत्री आवास योजना के सोमेश्वर अपार्टमेन्ट की बड़ी दीवार सोमवार को सुबह में पास में चल रहे कन्स्ट्रक्शन साइट के लिए खोदे गये गहरे गड्ढे में गिर गई थी। सोमेश्वर अपार्टमेन्ट के निवासी की एक कार दीवार के पास पार्क की थी। दीवार धराशायी होने पर कार भी गहरे खाई में गिर गई थी। दीवार धराशायी होने पर कोई हताहत नहीं हुआ है। लेकिन जेसीबी, ट्रेक्टर और कार को नुकसान पहुंचा है। इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, सोमेश्वर अपार्टमेन्ट से सटे पेलेडियम अपार्टमेन्ट का निर्माणकाम हो रहा है, जिसकी वजह से यह दीवाल धराशायी होने का स्थानीय निवासी मान रहे है। सुबह में हुई इस घटना में हताहत टल गया है, क्योंकि पेलेडियम अपार्टमेन्ट में कई मजदूर काम करते हैं। सुबह के नौ बजे के बाद सभी मजदूर काम पर आ जाते हैं तब यह घटना के सुबह में ८ बजे हुई थी। हालांकि कोई हताहत नहीं होने पर स्थानीय निवासियों ने राहत महसूस की है। जोधपुर क्षेत्र में मुख्यमंत्री आवास योजना की सोमेश्वर अपार्टमेन्ट की करीब १०० फीट से ज्यादा की दीवार धराशायी हो गई थी। सोमेश्वर अपार्टमेन्ट के पास में पेलेडियम अपार्टमेन्ट नाम के फ्लेट बन रहे है। यह फ्लेट का नींव खुदाई किया गया है और कितना निर्माणकाम हो गया है। पेलेडियम अपार्टमेन्ट के लिए सोमेश्वर अपार्टमेन्ट की दीवार से सटे नींव खोदा गया है, जिसके कारण दीवार गिर जाए ऐसी स्थिति में थी।

महादेव मीडिया
रोहताश यादव 9924144499, 7015339195
वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)
हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।
304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com